

onka ei i ; kbj . k fpUru

f' kono vk; l

Jhen-n; kuUn vk"kl T; kfreB
nu okfVdk&2] x#dy i k]/kk] nqjkn
bzey&shivdevaryagurukul@gmail.com
ekckby&08810005096

i ; kbj . k शब्द ^i fj* mi l xl vk^ व्यक्ति के संयोग से बना है, जिसकी
निष्पत्ति ^o~oj . k* /kkrq l s gkrh gA lk; kbj . k dk vFk gS fd ft l ei ok; e. My]
LFkye. My vk^ tye. My ds l Hkh t\$od] Hkkfrd rFkk jkl k; fud rRo l ekfgr gks
gks ml s i ; kbj . k dgrs gA ^i fj r% vkoj . ke* vFkk~ tks gekjs pkjka vk^ vkoj . k gS
ml s i ; kbj . k dgrs gA
^vfxunbrk okrks nork l kl nork plnrek nork ol oks nork #nk
देवताऽदित्या देवता मरुतो देवता विश्वे देवा देवता बृहस्पतिर्देवतेन्द्रो देवता
o#. kks norkAA%; tph&14-20%** bl ell= ds vud kj i ; kbj . k , d no rRo gS
vfxu] ok; } plnrek ol k. k o#. k ; s l Hkh nork i ; kbj . k ds gh vx gA vr% buds
l kh thou dh i kFkuk dh xbz gA

वर्तमान परिषेक में हमारे समाज में पर्यावरण को दूषित किया जा रहा है। पर्याप्तरण
fo"षज्ञों ने प्रदूषण को निम्न प्रकार से व्यक्त किया है – वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, प्रदूषण,
ध्वनि प्रदूषण।

इन प्रदूषणों की रोकथाने के लिए विभिन्न उपायों का विकास किया जा रहा है। ये उपायों का विवरण निम्न तंत्रों में दिया गया है:

- वायु प्रदूषण:** इसको कम करने के लिए जलवायिक ऊर्जा का उपयोग, ग्रीष्मकालीन विद्युत का उपयोग, और अपान वायु के द्वारा शरीर के समस्त दोषों को बाहर निकालना।
- जल प्रदूषण:** इसको कम करने के लिए जल संग्रहीत करने वाले संरचनाएँ बनाए जानी चाहीं।
- प्रदूषण:** इसको कम करने के लिए जलवायिक ऊर्जा का उपयोग, ग्रीष्मकालीन विद्युत का उपयोग, और अपान वायु के द्वारा शरीर के समस्त दोषों को बाहर निकालना।
- ध्वनि प्रदूषण:** इसको कम करने के लिए जलवायिक ऊर्जा का उपयोग, ग्रीष्मकालीन विद्युत का उपयोग, और अपान वायु के द्वारा शरीर के समस्त दोषों को बाहर निकालना।

^; nnks okr rs xgs verL; fuf/kfg%A ru uks nfg thol s AA**

ok; q gh thou g\\$ bl \\$ हमें नष्ट नहीं होने देना चाहिए। पर्वत, जल, वायु, वर्षा और अग्नि पर्यावरण को शुद्ध करने वाले तत्व हैं, ये प्रदूषण को नष्ट करते हैं। इनको नष्ट व दूषित ugh\\$ dj uk pkfg, A

यथावातशः P; ko; fr HkE; kjs kpeUrfj {kkञ्च; khkiaA , oer~ | oळ nHkira
 ब्रह्मणत्तमपायति । (अथर्ववेद—10-1-13½ vFkk~ t§ s rst ok; q ds dkj . k /ky ds d.k
 अन्तरिक्ष में उड़ जाते हैं वैसे ही सारे रोग, प्रदूषण यज्ञ से उड़ जाते हैं, जैसे नाभि की
 xM€Mh I s LokLF; [kjkc gksrk g§ o§ s gh ; K vxj xM€M+gwk rks I e>kळ I elr
 I d kj xM€M+gks tk; skA D; kfd ; tph ei dgk x; k g§ fd & ^v; a ; Kks Hkpul;
 ukfhlk%* ; g ; K bl I d kj dh ukfhlk g§ ; fn ; K Bhd ughajgk rks I e>kळ I d kj dk
 fouk”T अति निकट है । इसका यर्थात् उदाहरण उत्तराखण्ड में आई आपदा है ।

वक्वक्षे ले फेर्दी अंतर्गत कुछ लोग उपर्युक्त काम करते हैं। इनमें से कुछ लोग एक विशेष कार्यक्रम का उपर्युक्त नियंत्रण करते हैं। यह कार्यक्रम विशेष विद्यार्थियों के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी अपने अधिकारी का अनुष्ठान करें।